रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HBA)

2015
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

एकाग्रता ही आत्मसाक्षात्कार की कुंजी है। एकाग्रता का उपाय यह है कि छात्र में मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा का भाव उत्पन्न किया जाय और उसे निष्काम कर्म में प्रवृत्त किया जाय। दूसरे के सुख को देखकर सुखी होना मैत्री और दुःख देखकर दुःखी होना करुणा है। किसी को अच्छा काम करते देखकर प्रसन्न होना और उसका प्रोत्साहन करना मुदिता और दुष्कर्म का विरोध करते हुए अनिष्टकारी से शत्रुता न करना उपेक्षा है। ज्यों–ज्यों यह भाव जागते हैं; त्यों–त्यों ईर्ष्या–द्वेष की कमी होती है। निष्काम कर्म भी रागद्वेष को नष्ट करता है। ये बातें हँसी–खेल नहीं है; परन्तु चित्त को उधर फेरना तो होगा ही, सफलता चाहे बहुत धीरे ही प्राप्त हो। इस प्रकार का प्रयास भी मनुष्य को ऊपर उठाता है। निष्कामिता की कुंजी यह है कि अपना ख्याल कम और दूसरों का अधिक किया जाय। आरम्भ से ही परमार्थ–साधन, लोक–संग्रह और जीव–सेवा के भाव उत्पन्न किये जायें। जब कभी मनुष्य से थोड़ी देर के लिए सच्ची सेवा बन पड़ती है तो उसे बड़ा आनन्द मिलता है : भूखे को अन्न देते समय, जलते या डूबते को बचाते समय, रोगी की शुश्रूषा करते समय कुछ देर के लिए उसके साथ तन्मयता हो जाती है। 'मैं' 'पर' का भाव तिरोहित हो जाता है। उस समय अपने 'स्व' की एक झलक मिल जाती है। 'मैं' 'तू' के कृत्रिम भेदों के परे जो सत्यात्मक, शुद्ध स्वरूप है उसका साक्षात्कार हो जाता है। जो जितने ही बड़े क्षेत्र के साथ तन्मयता प्राप्त कर सकेगा, उसको आनन्द और स्वरूप दर्शन की उतनी ही उपलब्धि होगी।

चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने का एक बहुत बड़ा साधन कला है। काव्य, चित्र, संगीत आदि का जिस समय रस मिला करता है उस समय भी शरीर और इन्द्रियों के बन्धन ढीले पड़ गये होते हैं और चित्त आध्यात्मिक जगत में खिंच जाता है। यही बात प्रकृति के निरीक्षण से भी होती है। प्रकृति का उपयोग निकृष्ट कोटि के काव्य में कामोद्दीपन के लिए किया जाता है, परन्तु वह शान्त रस का भी उद्दीपन करता है। अध्यापक का कर्तव्य है कि छात्र में सौन्दर्य के प्रति प्रेम उत्पन्न करे। यह स्मरण रखना चाहिए कि सौन्दर्य प्रेम भी निष्काम होता है। जहाँ तक यह भाव रहता है कि मैं इसका अमुक प्रकार से प्रयोग करूँ, वहाँ तक उसके सौन्दर्य की अनुभूति नहीं होती। सौन्दर्य के प्रत्यक्ष का स्वरूप तो यह है कि द्रष्टा अपने को भूलकर तन्मय हो जाय।

आज सब अपने–अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। इस झगड़े का अन्त नहीं हो सकता। यदि धर्म बुद्धि जगायी जाय और सब अपने–अपने कर्तव्यों में तत्पर हो जायें तो विवाद की जड़ ही कट जाय और सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जायें और लोग हमारे साथ कैसा व्यवहार करते हैं – इसकी ओर कम, और हम खुद औरों के साथ कैसा आचरण करें–इसकी ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

(क) 'एकाग्रता ही आत्मसाक्षात्कार की कुंजी है।' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मुदिता' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने के साधन क्या हैं ?

(घ) विवाद की जड़ काटने एवं सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जायें, इसके लिए क्या करना चाहिए ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

[Turn Over

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) 'उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदा' :

(i) उत्तराखण्ड का प्राकृतिक स्वरूप (ii) प्राकृतिक आपदा के कारण

(iii) प्राकृतिक आपदा की भयावहता (iv) आपदा से निपटने के उपाय

(ख) 'हमारी राष्ट्रीय एकता' :

(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय (ii) राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

(iii) राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएँ (iv) एकता बनाए रखने के उपाय

3. अपने क्षेत्र के प्रमुख समाचारपत्र के सम्पादक को अपने क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु एक अनुरोध पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

आपके विद्यालय में इस वर्ष गणतंत्र दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। आप उत्तराखण्ड इण्टर कालेज के विद्यार्थी हैं। समारोह के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – 1×2=2

(क) वह तरणताल में तैर रहा है। (ख) अनुराधा पत्र लिख रही है।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2=2

(ग) खरगोश तेज दौड़ता है। (रीतिवाचक क्रिया–विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए)

(घ) पाश्चात्य संस्कृति की अपेक्षा भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ है। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×4=4

(क) वह पुस्तकालय गया और उसने अध्ययन किया। (सरल वाक्य में)

(ख) मोहन के द्वारा रामचरितमानस पढ़ी गई। (कर्तृवाच्य वाक्य में)

(ग) अभिषेक धारावाहिक नहीं देखता है। (कर्मवाच्य में)

(घ) अपनी–अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना चाहिए। (आज्ञार्थक में बदलिए)

6. (क) निम्नांकित में कौन सा शब्द 'हरि' के अर्थ में प्रयुक्त नहीं होता – 1

(i) विष्णु (ii) शिव (iii) नारद (iv) बन्दर

(ख) 'अम्बुद' अथवा 'अम्बुधि' में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ बताइए। 1

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2=6

(i) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को मृदु वाणी में क्या समझाया ?

(ख) लक्ष्मण ने अपनी कुल परम्परा के बारे में क्या बताया ?

(ग) 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) माँ अपनी लड़की को क्या सीख दे रही है ?
(ख) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का भाव स्पष्ट कीजिए।
(ग) उक्त कविता के कवि और कविता का शीर्षक बताइए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3×2=6
(क) भ्रमर गीत से आप क्या समझते हैं तथा भ्रमर को किसका प्रतीक माना गया है ?
(ख) जयशंकर प्रसाद की 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?
(ग) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

9. (क) 'यह दन्तुरित मुसकान' कविता का आपके हृदय पटल पर क्या प्रभाव पड़ा ? संक्षेप में लिखिए। 2
(ख) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा किन–किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2=4

(i) 'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना– लिखना भी उसी के अन्तर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा–प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए, खुद पढ़ने–लिखने को दोष न देना चाहिए। लड़कों ही की शिक्षा–प्रणाली कौन–सी बड़ी अच्छी है। प्रणाली बुरी होने के कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल व कॉलिज बंद कर दिए जाएँ ? आप खुशी से लड़कियों और स्त्रियों की शिक्षा की प्रणाली का संशोधन कीजिए। उन्हें क्या पढ़ाना चाहिए, कितना पढ़ाना चाहिए, किस तरह की शिक्षा देना चाहिए और कहाँ पर देना चाहिए–घर में या स्कूल में– इन सब बातों पर बहस कीजिए, विचार कीजिए, जी में आवे सो कीजिए; पर परमेश्वर के लिए यह न कहिए कि स्वयं पढ़ने–लिखने में कोई दोष है –वह अनर्थकर है, वह अभिमान का उत्पादक है, वह गृह– सुख का नाश करने वाला है। ऐसा कहना सोलहों आने मिथ्या है।
(क) शिक्षा का अर्थ लेखक के अनुसार क्या है और उसके दायरे में क्या–क्या आता है ?
(ख) उक्त गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हमें स्त्री शिक्षा के बारे में किन बातों पर विचार करना चाहिए ?

(ii) सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने–पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना–गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्म–विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जायेगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?
(क) लेखक के अनुसार सभ्यता के दायरे में कौन–कौन सी मुख्य बातें आती हैं ?
(ख) संस्कृति और असंस्कृति में मूल अन्तर क्या है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– 2×2=4
(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?
(ख) लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है ?
(ग) आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे ?

12. (क) 'एक कहानी यह भी' के माध्यम से लेखिका पाठकों को क्या संदेश देना चाहती है ? 2
(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ? 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6
(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइये कि बच्चे माता–पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ?
(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर तत्कालीन सरकारी तंत्र की मानसिकता का वर्णन कीजिए।
(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।
(घ) हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर समझाइए।

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6
(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्णवाक्य में दीजिए।)

सत्सङ्गेन मानवजीवने परिवर्तनम् आगच्छति। सतां सङ्गेन गुणानां वर्धनं, दुर्जनसङ्गेन दोषाणां वर्धनं च भवति। अतएव उक्तम् "संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति"। यथा–नारदस्य सङ्गेन रत्नाकरनामकः लुण्ठकः महान् आदिकविः वाल्मीकिः सञ्जातः। रामकृष्णपरमहंसस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीयसंस्कृतेः डिण्डिमघोषं सम्पूर्णे विश्वे कृतवान्।

(क) दुर्जन सङ्गेन किं भवति ? (ख) मानव जीवने परिवर्तनं कथम् आगच्छति ?
(ग) वाल्मीकिः कथं आदिकविः सञ्जातः ? (घ) कस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीय संस्कृते डिण्डिमघोषं कृतवान ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2=4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

(क) नीरक्षीरविवेकी कः भवति ? (ख) अन्यः किं न पालयिष्यति ? (ग) कुलव्रतं पालयिष्यति कः ?

16. पठित पाठाधारितान् **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

(क) जनाः सुवर्णं कयातोलयन्ति ? (ख) भूमौ के दुर्लभाः ?
(ग) विश्वस्य अत्युन्नतं शिखरं किम् ? (घ) सुदक्षिणा कस्य माता अस्ति ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4=4
(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची – उत्तराखण्डस्य, पठामि, निर्मलं, प्रवहति, चन्द्रगुप्तस्य, सत्सङ्गति

(क) गङ्गा हिमालयात् .....। (ख) सज्जनानां सङ्गतिः ..... भवति।
(ग) चाणक्यः .....मंत्री आसीत्। (घ) येषां हृदयं ..... भवति।
(ङ) अहं संस्कृतम् .....। (च) हरिद्वारं .....पावनं नगरम् अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् उत्तरत – 2×3=6
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) – यदि + अपि , सूर्य + उदयः
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) – स्वागतम् , पवनः
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) –
राजपुत्रः , रामलक्ष्मणौ
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत। (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।)–
परोपकार , अनभिज्ञ
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) .....पत्राणि पतन्ति। (वृक्षेण / वृक्षात्)
(ii) .....परितः पुष्पाणि सन्ति। (विद्यालयस्य / विद्यालयम्)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण **चतुर्णाम्** वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4=4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)

(क) गच्छसि (ख) जिघ्रन्ति (ग) बालकाय (घ) ते (ङ) वयम् (च) अत्र

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2=4
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

(क) हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है। (ख) हम दोनों विद्यालय गये। (ग) वह रामचरितमानस पढ़ती है।

****

रोल नं0 | | | | | | | | | मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001 **201 (HAZ)**

2015

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है। लेकिन इसमें वह मजा नहीं, जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है। इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है। ईर्ष्या–द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दा करने वाले को कोई दंड देने की जरूरत नहीं है। वह निन्दक बेचारा स्वयं दण्डित होता है। आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दंड चाहिए ? निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है। जैसे, एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जायगा।

निन्दा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है। ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों–त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या–द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है; क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे–बनाया महल और बिन–बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है।

निन्दा कुछ लोगों की पूँजी होती है। बड़ा लम्बा–चौड़ा व्यापार फैलाते हैं वे इस पूँजी से। कई लोगों की प्रतिष्ठा ही दूसरों की कलंक–कथाओं के पारायण पर आधारित होती है। बड़े रस–विभोर होकर वे जिस–तिस की सत्य–कल्पित कलंक–कथा सुनाते हैं और स्वयं को पूर्ण संत समझने की तुष्टि का अनुभव करते हैं।

आप इनके पास बैठिए और सुन लीजिए, "बड़ा खराब जमाना आ गया। तुमने सुना ? फलाँ और अमुक –।" अपने चरित्र पर आँख डालकर देखने की उन्हें फुरसत नहीं होती।

कभी–कभी ऐसा भी होता है कि हममें जो करने की क्षमता नहीं है, वह यदि कोई करता है तो हमारे पिलपिले अहं को धक्का लगता है, हममें हीनता और ग्लानि आती है। तब हम उसकी निन्दा करके उससे अपने को अच्छा समझकर तुष्ट होते हैं।

(क) ईर्ष्या–द्वेष से प्रेरित निन्दक को कोई दण्ड देने की आवश्यकता क्यों नहीं है ?

(ख) मनुष्य निन्दा क्यों करता है ?

(ग) देवताओं को किससे ईर्ष्या होती है ?

(घ) ईर्ष्या–द्वेष से बचने का क्या उपाय है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिये।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) 'विज्ञान' :

(i) विज्ञान का अर्थ (ii) विज्ञान की आवश्यकता

(iii) मानव जीवन पर विज्ञान का प्रभाव (iv) विज्ञान एक वरदान

(ख) 'सत्संगति' :

(i) प्रस्तावना (ii) सत्संगति का महत्व

(iii) सत्संगति का स्वरूप (iv) सत्संगति के लाभ

3. अपने क्षेत्र के प्रमुख समाचार पत्र के सम्पादक को अपने नगर में पेयजल की अव्यवस्था विषय पर एक शिकायती पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

आपके विद्यालय में इस वर्ष गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। आप देवगुरु राजकीय इण्टर कालेज, विदर्भ के विद्यार्थी हैं। समारोह के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – 1×2=2

(क) विद्यार्थी विद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। (ख) मछली तालाब में तैरती है।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2=2

(ग) मोहन जोर–जोर से पढ़ रहा है। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) हमें अपनी संस्कृति एवं सभ्यता पर गर्व है। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×4=4

(क) मनुष्य को हमेशा लाभ की बात सोचनी चाहिए। (निषेधात्मक वाक्य बनाइए)

(ख) सुनीता विलियम्स भारतीय मूल की हैं। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(ग) गोपाल ने आम खाया। (कर्मवाच्य में)

(घ) राम के द्वारा धनुष तोड़ा गया। (कर्तृवाच्य में)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में से कौन शब्द 'सूर्य' का पर्यायवाची नहीं है – 1

(i) रवि (ii) इन्दु (iii) भानु (iv) प्रभाकर

(ख) निम्नांकित शब्दों में से 'शिव' शब्द का अर्थ छाँटकर लिखिए – 1

(i) हरि (ii) हर (iii) मुरारि

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2=6

(i) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को मृदु वाणी में क्या समझाया ?

(ख) लक्ष्मण ने अपनी कुल परम्परा के बारे में क्या बताया ?

(ग) 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) माँ ने बेटी को क्या–क्या सीख दी ?

(ख) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं' में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) उक्त कविता का शीर्षक तथा कविता के कवि का नाम बताइये।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2=6

(क) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है ?

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों को स्पष्ट कीजिये।

(ग) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

9. (क) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है ? 2

(ख) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता का आपके हृदय पटल पर क्या प्रभाव पड़ा ? संक्षेप में लिखिए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×2=4

(i) बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरुप हुई। वह हर वर्ष गंगा–स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितना संत–समागम और लोक–दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक ? और, गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे ? अतः, घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौटकर खाते। रास्ते भर खंजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार–पाँच दिन आने–जाने में लगते; किन्तु इस लंबे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानीवाली। इस बार लौटे तो तबीयत कुछ सुस्त थी। खाने–पीने के बाद भी तबीयत नहीं सुधरी, थोड़ा बुखार आने लगा। किन्तु नेम–व्रत तो छोड़ने वाले नहीं थे।

(क) भगत जी प्रतिवर्ष गंगा–स्नान के लिए क्यों जाते थे ?

(ख) भगत जी की जवानी वाली किस टेक की ओर यहाँ संकेत किया गया है ?

(ii) सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने–पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना–गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्म–विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जायेगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) लेखक के अनुसार सभ्यता के दायरे में कौन–कौन सी मुख्य बातें आती हैं ?

(ख) संस्कृति और असंस्कृति में मूल अन्तर क्या है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2=4

(क) सेनानी न होते हुये भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

(ख) 'फादर बुल्के' हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान दिलाने के लिए चिन्तित रहते थे। पठित पाठ के आधार पर इस तथ्य को सिद्ध कीजिए।

(ग) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर बताइये कि लेखिका मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ?

12. (क) स्त्री–शिक्षा के सम्बन्ध में महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) बाल गोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषतायें लिखिये। 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में आपके विचार से विपदा के समय भोलानाथ पिता के पास न जाकर माँ की शरण क्यों लेता है ?

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर तत्कालीन सरकारी तंत्र की मानसिकता का वर्णन कीजिए।

(ग) 'साना साना हाथ जोड़ि.....' कहानी के आधार पर बताइये कि प्रकृति के विराट और अनन्त सौन्दर्य को देखकर लेखिका को कैसी अनुभूति होती है ?

(घ) लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6
(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

सत्सङ्गेन मानवजीवने परिवर्तनम् आगच्छति। सतां सङ्गेन गुणानां वर्धनं, दुर्जनसङ्गेन दोषाणां वर्धनं च भवति। अतएव उक्तम् ''संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति''। यथा–नारदस्य सङ्गेन रत्नाकरनामकः लुण्ठकः महान् आदिकविः वाल्मीकिः सञ्जातः। रामकृष्णपरमहंसस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीयसंस्कृतेः डिण्डिमघोषं सम्पूर्ण विश्वे कृतवान्।

(क) दुर्जन सङ्गेन किं भवति ? (ख) मानव जीवने परिवर्तनं कथम् आगच्छति ?
(ग) वाल्मीकिः कथं आदिकविः सञ्जातः ? (घ) कस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीय संस्कृते डिण्डिमघोषं कृतवान ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2=4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

(क) नीरक्षीरविवेकी कः भवति ? (ख) अन्यः किं न पालयिष्यति ? (ग) कुलव्रतं पालयिष्यति कः ?

16. पठित पाठाधारितान् **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6
(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

(क) भूमौ के दुर्लभाः ? (ख) सुवर्णं जनाः कया तोलयन्ति ?
(ग) चाणक्यः कस्य मंत्री आसीत् ? (घ) विश्वस्य अत्युन्नतं शिखरं किम् ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4=4
(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची – लक्ष्यम्, मुनयः, पठामि, सत्सङ्गति, लज्जा, उत्तराखण्डस्य

(क) अहं संस्कृतम् ..... । (ख) हरिद्वारं ..... पावनं नगरम् अस्ति।
(ग) सर्वेषां धर्माणाम् एकम् एव ..... अस्ति। (घ) ..... शान्तिं प्राप्तु हिमालयं गच्छन्ति।
(ङ) सज्जनानां संगतिः ..... भवति। (च) इदं श्रुत्वा चोरेषु ..... उत्पन्ना।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् उत्तरत – 2×3=6
(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) – यदि + अपि , ते + अपि
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) – पवनः , उपोषति
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) –
राजपुत्रः , नीलोत्पलम्
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत। (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।)–
परोपकार , अवमुक्त
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) ..... परितः पुष्पाणि सन्ति। (विद्यालयम्/विद्यालयस्य)
(ii) खगाः ..... तिष्ठन्ति। (वृक्षे/वृक्षाणाम्)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण **चतुर्णाम्** वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4=4
(निम्न शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)

(क) गमिष्यामि (ख) अपठत् (ग) रामस्य (घ) सन्ति (ङ) सा (च) यूयम्

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2=4
(निम्न वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

(क) वह फूल सूँघती है। (ख) राम दशरथ के पुत्र थे। (ग) तुम सब वहाँ जाओगे।

****